हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार 9 जनवरी 2026

11 सीटीएम ने समाधान शिविर में सुनीं नागरिकों ...

12 कैबिनेट मंत्री श्रुति ने तोशाम में एसटीपी के पानी को ...

खबर संक्षेप

पेट्रोल पंप से सोलर प्लेट की बैटरियां चोरी

बवानीखेड़ा। हांसी–भिवानी रोड पर गांव सिकंदरपुर स्थित राजेन्द्र पेट्रो सिटी पेट्रोल पम्प से चोरों ने सोलर सिस्टम को निशाना बनाते हुए एक्साइड कंपनी की 150 एएच की 10 बैटरियां चोरी कर ली। पम्प पर तैनात मैनेजर नरेन्द्र कुमार ने बताया कि 7 जनवरी की सुबह करीब 6 बजे जब वह पम्प पर पहुंचे तो बिजली बंद मिली। इलेक्ट्रिक रूम में जाकर देखा तो दरवाजे का ताला कटा हुआ था और सोलर बैटरियों के तार कटे हुए थे और बैटरियां गायब थी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक चालक घायल

लोहारू। लोहारू से आजमपुर रास्ते पर अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल चालक घायल हो गया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस को दी शिकायत में शहर के वार्ड 8 निवासी जगंजीत ने बताया कि वह मोटरसाइकिल पर अपने पड़ोसी उमेद सिंह के खेत में जा रहा था। इस दौरान अज्ञात वाहन ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी और मौके पर से फरार हो गया। हादसे में वह घायल हो गया तथा फोन पर सूचना के बाद उसका भाई संजय मौके पर पहुंच गया और उसे लोहारू के उपमंडल नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया।

थाना साइबर क्राइम ने धोखाधड़ी का आरोपी धरा

भिवानी। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर तीन करोड़ 27 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी ने पीड़ित से कुल तीन करोड़ 27 लाख रुपये इन्वेस्टमेंट के नाम पर डलवाए थे। आरोपी की पहचान अंकुश पुत्र नरेश कुमार निवासी गीता कॉलोनी लाडवा कुरुक्षेत्र हाल निवासी गांधीनगर करनाल के रूप में हुई है।

हेरोइन बेचने के मामले में महिला गिरफ्तार

भिवानी। थाना तोशाम पुलिस ने मादक पदार्थ हेरोइन बेचने के मामले में महिला को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को मादक पदार्थ हेरोइन सहित रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। आरोपी महिला की पहचान जीनू पत्नी रोशन, निवासी वार्ड नंबर 16 तोशाम के रूप में हुई है।

नप ने फुटपाथ की जगह पर अतिक्रमण करने वालों को 24 घंटे की दी मोहलत

अतिक्रमण हटाने को लेकर नगर परिषद सख्त

दोबारा चबूतरे बनाने वालों पर पड़ेगी जुर्माने की मार

- नप ने रोहतक गेट से लेकर फैंसी चौक तथा सराय चौपटा तक नाले पर हुए अतिक्रमण को हटवाया था
- अब नप के लिए अतिक्रमण फिर से समस्या बनने लगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

अब सड़क किनारे फुटपाथ की जगह पर अतिक्रमण करने वालों की खैर नहीं। नगर परिषद ने अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर ली है। खासकर उन जगहों पर सबसे पहले कार्रवाई की जाएगी। जिस जगह पर विगत में अतिक्रमण हटवाया गया और इसके बाद फिर से लोगों ने चबूतरे या निर्माण खड़ा कर लिया। दोबारा अतिक्रमण करने वालों को नगर परिषद के अधिकारियों ने 24 घंटे में अपने आप अतिक्रमण हटाने का आह्वान किया है, इसको लेकर नप के अधिकारी उन लोगों से मिले, जिन्होंने दोबारा फुटपाथ की जगह पर अतिक्रमण किया है।

इस तरह की जगहों पर नगर परिषद जल्द ही दोबारा अभियान चलाएगी और दोबारा किए अतिक्रमण को हटाएगी। जो चबूतरे हटाने में खर्चा आएगा, वह खर्चा उसी अतिक्रमणकारी पर ही डाला जाएगा। इस बारे में नप के अधिकारियों ने अतिक्रमणकारियों को सूचित कर दिया है। उल्लेखनीय हैं कि विगत में नगर परिषद ने रोहतक गेट से लेकर फैंसी चौक तथा सराय चौपटा तक नाले पर हुए अतिक्रमण को हटवाया था और उस जगह पानी की निकासी के लिए सीमेंट के पाइप डाले गए हैं। पाइप लाइन के साथ मैनहॉल भी तैयार किए, ताकि पाइप लाइन में पानी के साथ आने वाली शिल्ट मैनहॉल में इक्ट्ठी की जा सके और बाद में उसे निकाला जा सके। पाइप लाइन के उपर व सड़क के साथ में नप की फुटपाथ बनाने की योजना है। इसको लेकर नप ने शहर के नाले के उपर बने अतिक्रमण को हटवाया गया था और दोबारा अतिक्रमण न करने की नसीहत भी दी थी, इसके बाद भी जिन इलाकों अतिक्रमण हटवाया गया था। उन इलाकों में फिर से लोगों ने अतिक्रमण खड़े करने आरंभ कर दिए। अब नप के लिए अतिक्रमण फिर से समस्या बनने लगी है।

भिवानी। तोड़े जाने के बाद दोबारा बनाया गया चबूतरा। फोटो : हरिभूमि

एक दर्जन जगहों पर बनाए चबूतरे

सराय चौपटा से लेकर रोहतक गेट तक करीब एक दर्जन के आसपास जगहों पर दुकानदारों ने अपनी दुकानों के आगे फिर से चबूतरे बना लिए है। इन चबूतरों के आगे सीमेंट की सीढियां भी बना ली है, जिससे उन दुकानों के आगे फुटपाथ बनाए जाने की जगह ही नहीं बची है। सराय चौपटा से फूल चौक तक करीब आधा दर्जन जगहों पर तथा फूल चौक से फैंसी चौक तक भी इतनी ही जगहों पर लोगों ने चबूतरे बना लिए है। अगर इन जगहों पर चबूतरे खड़े होने से फिर से सड़क की चौड़ाई घट जाएगी। अब नप ने इन अतिक्रमणकारियों की सूची तैयार करना आरंभ कर दी है।

जनता की सुविधा के लिए नाले की जगह डाली गई पाइप लाइन: भवानी

नगर परिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि विगत में नाले की जगह पाइप लाइन डालने के लिए अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया था और नाले पर हुए अतिक्रमण को हटवाया गया था। अब कई जगहों पर पाइप लाइन डालने के बाद उन जगहों पर फिर से चबूतरे का निर्माण किया जा रहा है, जो गलत है। सभी की सुविधा के लिए ही नालों की जगह पाइप लाइन डलवाई गई है। साथ ही पैदल चलने के लिए फुटपाथों का निर्माण भी करवाया जाएगा, अगर फिर से कोई उन जगहों पर अतिक्रमण या निर्माण करता है तो गलत है। नप ने ऐसे लोगों की सूची तैयार कर ली हैं और उन्हें अतिक्रमण हटाने का एल्टीमेटम भी दिया है। इसके बाद भी वे निर्माण नहीं हटाते तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा।

भिवानी। स्मृति चिन्ह भेंट करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा ग्रामीण बैंक को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए किया सम्मानित

ग्रामीण भारत के सपनों को साकार करना हरियाणा ग्रामीण बैंक का उद्देश्य: सिंगल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने बैंक को कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ) के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए टॉप डिस्बर्सिंग बैंक-आरआरबी (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक श्रेणी) के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह सम्मान बैंक द्वारा कृषि क्षेत्र में ढांचागत विकास के लिए दिए ऋण और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन को रेखांकित करता है। इस बड़ी उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए क्षेत्रीय प्रबंधक विनोद सिंगल ने बताया कि यह पुरस्कार बैंक की कार्यकुशलता और किसानों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सिंगल ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल ऋण देना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के सपनों को साकार करना है। कृषि अवसंरचना परियोजनाओं को समय पर वित्तीय सहायता प्रदान कर हमने यह सुनिश्चित किया है कि किसान और कृषि उद्यमी आधुनिक सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

गौरवपूर्ण उपलब्धि

सिंगल ने बताया कि हरियाणा ग्रामीण बैंक विशेष रूप से किसान उत्पादक संगठनों और नए कृषि उद्यमियों को सशक्त बना रहा है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि का श्रेय बैंक की पूरी टीम की कड़ी मेहनत और ग्राहकों के अटूट विश्वास को दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में बैंक के कर्मचारियों ने मिशन मोड में काम किया है, जिसके परिणामस्वरूप आज हरियाणा ग्रामीण बैंक देश के शीर्ष ग्रामीण बैंकों की सूची में अग्रणी स्थान पर खड़ा है। सम्मान समारोह के बाद बैंक प्रबंधन ने अपने भविष्य के लक्ष्यों को साझा करते हुए कहा कि वे सतत विकास के मॉडल पर काम करना जारी रखेंगे। बैंक का आगामी लक्ष्य कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों के समावेश के लिए आसान वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है।

बेटी नहीं बचाओगे तो बहू कहां से लाओगे रैली में उठी गूंज

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव सिवाड़ा में स्वस्थ्य विभाग की तरफ से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को लेकर जागरूकता रैली निकाली। रैली मेडिकल ऑफिसर ईशान कुमार के नेतृत्व में निकाली, जिसमें सरपंच बिजेन्द्र सिंह, स्वास्थ्य विभाग के स्टाफ, आशा वर्कर, आंगनवाड़ी वर्कर सहित समाजसेवियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। मेडिकल ऑफिसर ईशान कुमार ने बताया कि आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है, बल्कि बेटियों ने अपनी काबिलियत के बल पर इतिहास रच के दिखाने का कार्य किया है। वे हर क्षेत्र में बेटों से बढ़कर भाग ले रही हैं और अपना सफलता के झंडे गाड रही हैं। हमें बेटियों को बचाकर उन्हें शिक्षा देकर कामयाब बनाना है।

स्वास्थ्य विभाग ने रैली निकालकर दिया बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश

यूनियन की बैठक में राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर बनाई रणनीति

भिवानी। सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन ने आगामी 12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए कमर कस ली है। इसी कड़ी में भिवानी सर्कल की महत्वपूर्ण बैठक सर्कल सचिव अशोक गोयत की अध्यक्षता में सबोर्डिनेट रेस्ट हाउस में वीरवार को हुई। मंच संचालन सिटी यूनिट के सचिव राजेश कुमार बुला ने किया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि हड़ताल को ऐतिहासिक बनाने के लिए विशेष टीमों का गठन किया जाएगा। कर्मचारी नेता राज्य ऑडिटर धर्मवीर सिंह भाटी, राज्य सचिव लोकेश कुमार, विजय जांगडा, रविंद्र यादव, सुरेश हटरिया, जगदीप दादरी, सतीश तंवर, अशोक साहनी, धीरज शर्मा, शमशेर और बिजेंद्र गिल ने स्पष्ट किया कि ये लड़ाई केवल कर्मचारियों की नहीं, बल्कि आमजन के हक की भी है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उन विभागों को निजी हाथों में बेच रही है, जिन्हें जनता के हित और सेवा के लिए बनाया गया था।

अनुज बने हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन के ब्रांच प्रधान

बहल। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन ब्रांच बहल के त्रिवार्षिक चुनाव में अनुज बहल को ब्रांच प्रधान चुना। चुनाव बहल सब डिवीजन के प्रांगण में संपन्न हुए। चुनाव पर्यवेक्षक राज्य के प्रेस सचिव अली मोहमद और चांद राम की देखरेख में संपन्न हुए। ब्रांच प्रधान पद के लिए सरजीत लीलस, सोमवीर हरपालु व अनुज शर्मा तीन नाम चुनाव कमेटी को दिए गए जिसमें सरजीत लीलस ने अपना नाम वापिस ले लिया। प्रधान पद पर अनुज शर्मा को 65, सचिव सुनील कुमार को 61 मत प्राप्त हुए, जबकि, रमन कुमार सर्वसम्मति से कैशियर चुना। सभी कर्मचारियों ने चुने गए पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई। इस मौके पर अशोक कुमार, पवन, महताब, कृष्ण, सतीश, रवींद्र, कमल प्रधान, महेश, निरंजन, राजेश, विकाश, बलवंत, अनिल, रजनीश आदि मौजूद रहे।

सरजीत लीलस ने अपना नाम वापिस लिया

एडीसी ने कुपोषण मुक्त गांव अभियान की समीक्षा की

बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए महिलाओं को करें जागरूक: एडीसी

भिवानी। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में कुपोषण मुक्त गांव अभियान की समीक्षा बैठक हुई। एडीसी ने सुपरवाइजरों से ग्रामीण स्तर पर किए गए प्रयास एवं कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जिला के चयनित 57 गांव में बच्चों के पोषण से सम्बंधित विस्तार से जानकारी लेकर सभी सम्बंधित विभागों को आपसी तालमेल कर जिले में कुपोषण को मिटाने के निर्देश दिए।

एडीसी ने इस दौरान 20 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा में अच्छा कार्य करने पर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। एडीसी ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि वे हेल्थ चेकअप के लिए सभी सुपरवाइजर व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ हर महीने माइक्रो प्लान सांझा करें तथा टीम सुपरवाइजर के साथ समन्वय स्थापित चयनित सभी 57 गांव में अति कुपोषित बच्चों जांच करें। उन्होंने कहा कि पौष्टिक खाना और साफ-सफाई बारे भी जागरूक करें।

बैठक में 20 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को अच्छा कार्य करने पर किया सम्मानित

ये रहे मौजूद

इस मौके पर डीईओ डॉ. निर्मल दहिया, डीईईओ विनय कुमार जिंदल, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी वैशाली, जिला पोषण समन्वयक डॉ. मृदुल, सुपरवाइजर, ब्लॉक पोषण स्टाफ मौजूद रहा।

निरीक्षण के दौरान अधिकारी को जरूरी निर्देश दिए

सीजेएम ने प्रेमी जोड़ों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर. चालिया के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) पवन कुमार ने पुलिस लाइन परिसर स्थित सेफ हाउस का औचक निरीक्षण किया। सेफ हाउस में ठहरे प्रेमी जोड़ों की सुरक्षा, सुविधा और व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारी को जरूरी निर्देश दिए। सीजेएम पवन कुमार ने निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, रहन-सहन का माहौल, कमरों की स्थिति और सेफ हाउस में सुरक्षा प्रबंधों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने पीने के पानी की व्यवस्था, बाथरूम की स्थिति, अधिकारियों की ड्यूटी रोस्टर और भोजनालय की स्वच्छता को भी जांचा। उन्होंने भोजनालय की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि भोजन की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

भिवानी। सेफ हाउस का निरीक्षण करते सीजेएम। फोटो : हरिभूमि

निजता सर्वोपरि

सीजेएम पवन कुमार ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि संवेदनशील मामलों में सेफ हाउस में रहने वाले युगल जोड़ों की निजता और सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि ऐसे जोड़े सामाजिक और पारिवारिक दबावों के कारण अक्सर तनाव में रहते हैं, इसलिए अधिकारियों को उनके साथ संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने सेफ हाउस में रह रहे युवाओं को जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली कानूनी सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण की ओर से जोड़ों को निःशुल्क कानूनी सलाह, सुरक्षा उपलब्ध कराने में सहायता और आवश्यक होने पर काउंसलिंग जैसी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। न्होंने युगल जोड़ों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की।

प्रदर्शन वेनेजुएला पर हमला अमेरिकी साम्राज्यवादियों की नीति का हिस्सा: कामरेड

अमेरिका लंबे समय से दबाव बनाकर अपने हित साधता रहा

वेनेजुएला पर हमले के विरोध में सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया ने फूंका पुतला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने वीरवार को दिनोद गेट चौक पर अमेरिकी साम्राज्यवादियों द्वारा वेनेजुएला पर किए सैन्य हमले के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला फूंककर कार्रवाई की कड़ी निंदा की। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के जिला सचिव कामरेड रोहतास सिंह सैनी ने कहा कि युद्ध पिपासु अमेरिकी साम्राज्यवादियों द्वारा वेनेजुएला पर नहीं, बल्कि पूरे लैटिन अमेरिका देशो पर हमला है, जिसका उद्देश्य वहां के देशों को बल प्रयोग के जरिए अपने अधीन कर उन देशों के पेट्रोलियम आदि संसाधनों को लूटना है।

भिवानी।:अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला लेकर प्रदर्शन करते सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया के कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

मादुरो को रिहा करने की मांग

उन्होंने कहा कि अमेरिका लंबे समय से दबाव बनाकर अपने हित साधता रहा है। वेनेजुएला पर किया हमला उसी साम्राज्यवादी नीति का हिस्सा है, ऐसी कार्रवाइयों से दुनिया में अशांति और युद्ध का खतरा बढ़ता है, जिसका खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ता है। उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो व उनकी पत्नी सीलिया फ्लोर्स को तुरंत रिहा करने की मांग को पूरजोर ढंग से उठाई। साम्राज्यवाद विरोधी, युद्ध विरोधी और शांतिप्रिय लोगों से अपील की कि वे इस जघन्य हमले के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाएं और पीड़ित वेनेजुएला के साथ खड़े हो। विरोध प्रदर्शन में फतेहसिंह निगाना कलां, राजकुमार बासिया, सतबीर सिंह, महेंद्र सिंह कटारिया, फूल चंद, प्रेम, नरेश कुमार, राजाराम, राजेश कुमार दिनोद, संतरा देवी, दिलीप रंगा, सुनील पालवास, पुरुषोत्तम सैनी, संतोष, चंद्रमणि, सुमित्रा, बाला व कमलेश देवी आदि शामिल रहे।

गुड़-तिल-मूंगफली टेस्टी भी-हेल्दी भी

बच्चो, जाड़े के मौसम में बहुत सी हेल्दी चीजें खाने को मिल जाती हैं। जनवरी माह में मकर संक्रांति पर्व भी आता है, इस अवसर पर तिल-मूंगफली से बने व्यंजनों के खाने का एक अलग ही मजा है, जो हमारी हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। सर्दियों में और कौन-कौन सी हेल्दी-टेस्टी चीजें खाई जा सकती हैं, जो हमें फिजिकली-मेंटली फिट रखती हैं, जानो।

सीजनल डाइट

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, हेल्दी डाइट से ही हमारा शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहता है। स्वस्थ आहार में बहुत-सी चीजें शामिल होती हैं, जैसे- सब्जियां, अनाज, फल, ड्राई फ्रूट्स और दूध-दही। बहुत से फूड आइटम्स भी हमारी हेल्दी डाइट का हिस्सा होते हैं। हमारे देश में तो मौसम के हिसाब से भी खान-पान तय किया गया है। तुमने देखा होगा कि घर में मौसम के बदलते ही खाने-पीने की चीजें भी बदल जाती हैं। इन दिनों जाड़े में मूंगफली, तिल और गुड़ की बनी चीजें खूब दिख रही हैं। ये ट्रेडिशनल फूड आइटम्स सर्दियों के लिए एनर्जी बूस्टर हैं। इनसे मिलने वाले पोषक तत्व, साल भर हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

स्वास्थ्य के रक्षक

सर्दी के मौसम में खाए जाने वाले तिल-मूंगफली के पकवान बहुत न्यूट्रीशस होते हैं। ये हर एज ग्रुप के लोगों को पसंद आते हैं। इनकी तासीर यानी हमारे शरीर पर पड़ने वाला असर, गर्म होती है। जिसके चलते इनसे बनी सभी चीजें शरीर को ठंड से बचाती हैं। तिल की बने लड्डू हों या मूंगफली की चिक्की, सर्दियों में सबके साथ धूप में बैठकर या अलाव तापते हुए इन्हें खाने का मजा ही कुछ और है! ठंड से बचाव करने और सेहत बनाने वाले ये क्रंची स्नैक्स, अपनों के साथ समय बिताने का भी अवसर देते हैं। तिल और मूंगफली में न केवल प्रोटीन बल्कि कई विटामिन और ओमेगा 6 जैसे न्यूट्रिएंट्स भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इन दोनों में ही कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व भी होते हैं। इसीलिए तिल के लड्डू खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं। ये हमारी डाइजेस्टिव हेल्थ को बेहतर रखते हैं। वहीं पीनट्स यानी मूंगफली भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। पीनट्स खाने से ब्रेन फंक्शनिंग भी सुधरती है। बच्चो, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी में सामने आया है कि तिल और मूंगफली में हेल्दी फैट होता है। इसीलिए ठंड के मौसम में इन चीजों को जरूर खाना चाहिए। ये ठिठुराती सर्दी में खेलने-कूदने और एक्टिव रहने का एनर्जी बूस्टर डोज हैं।

मिठास का सेहतमंद साथ

बच्चो, तिल, मूंगफली को जब गुड़ का साथ मिलता है, तो ये स्वादिष्ट ही नहीं और अधिक गुणकारी भी बन जाते हैं। तिल, गुड़ और मूंगफली, ये तीनों चीजें ठंड के मौसम के लिए सुपरफूड हैं। इनसे बनी चीजें खाने में बहुत टेस्टी लगती हैं। इन्हें स्कूल के टिफिन में ले जाना भी बहुत आसान है। तिल और मूंगफली तो पौष्टिक हैं ही, गुड़ में भी आयरन, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे कई मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को एनर्जी और गर्माहट देने का काम करते हैं। गुड़ में विटामिन ए, सी और ई भी होते हैं। असल में गुड़ में मौजूद शुगर, सुक्रोज और फ्रक्टोज के रूप में होती है, इसलिए इसका स्वाद मीठा और तुरंत एनर्जी देने वाला होता है। यही कारण है कि गुड़ खाने से मानसिक और शारीरिक स्ट्रेस भी कम होता है। गुड़ में मिठास ही नहीं जिंक, सेलेनियम और एंटीऑक्सिडेंट्स भी होते हैं। ये ना सिर्फ हमारे शरीर को इंफेक्शन से बचाते हैं बल्कि इम्यूनिटी भी बढ़ाते हैं। तिल और मूंगफली के लड्डू, गजक, बर्फी, तिलपट्टी, तिलकुट या चिक्की बनाने के लिए गुड़ का ही इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में सर्दियों के मौसम में इन चीजों को खाना इम्यूनिटी, मूड और अपनेपन का मिठास भरा बूस्टर डोज बन जाता है।

ट्रेडिशनल टेस्ट का कमाल

बच्चो, तिल, मूंगफली और गुड़ जैसी चीजों की न्यूट्रिशनल वैल्यू को हमारे बड़े-बुजुर्ग हमेशा से समझते आए हैं। सर्दियों में आने वाले त्योहार, जैसे मकर संक्रांति और लोहड़ी पर तो खासतौर पर इन चीजों को खाया जाता है। सर्दियों में हमारे घरों में इन चीजों से पारंपरिक और पौष्टिक मिठाई बनाने का ट्रेंड रहा है। आज भी विंटर सीजन में दादी-नानी तिल के लड्डू बनाकर भी अपना प्यार जताती हैं। बच्चो, समझना जरूरी है कि तिल, मूंगफली से बनी मिठाई,

स्नैक्स का बहुत हेल्दी ऑप्शन हैं। अगर सही पोर्शन में खाया जाए तो शरीर को इनसे कोई नुकसान नहीं होता। हमारा ट्रेडिशनल खान-पान शरीर, मन और मौसम के मुताबिक बने हुए हैं। बीमारियों से बचाने और इम्यूनिटी मजबूत करने वाले देसी नुस्खों में दादी, नानी और मम्मी का स्नेह भी भरा होता है। इसीलिए सर्दियों में इन सुपर फूड्स को खूब मन से खाओ। अच्छी सेहत बनाओ। इस कमाल के ट्रेडिशनल टेस्ट के लिए दादी-नानी का मन से आभार भी जताओ। *

कैसे हुई पतंग की शुरुआत

हमारे देश में कुछ खास पर्व और अवसरों पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। बच्चे तो पतंगबाजी को खूब एंज्वॉय करते हैं। पतंग के आविष्कार और देश-विदेश में इसके प्रचलन का किस्सा बड़ा रोचक है। जानो, पतंग और पतंगबाजी से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

जानकारी

शिवानी छाया

बच्चो, मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाने की परंपरा है। इस पर्व के अलावा हमारे देश में वसंत पंचमी, स्वतंत्रता दिवस पर भी पतंगें उड़ाई जाती हैं। गुजरात, राजस्थान, पंजाब और तेलंगाना जैसे कई राज्यों में तो पतंगोत्सव यानी काइट फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश-विदेश से आए लोग भाग लेते हैं। पतंगबाजी में बच्चे-बड़े सभी भाग लेते हैं, खूब एंज्वॉय करते हैं। बच्चो, तुम यह जानना चाहोगे कि पतंग उड़ाने की शुरुआत कब और कैसे हुई, जानो-

चीन में हुई थी शुरुआतः माना जाता है कि पतंग बनाने और उड़ाने की शुरुआत लगभग 2800 वर्ष पहले चीन के शानदोंग शहर में हुई थी। इस शुरुआत के पीछे एक रोचक किस्सा है- खेत में काम करने के दौरान एक चीनी किसान की टोपी बार-बार हवा में उड़कर इधर-उधर चली जाती थी। इससे परेशान होकर वह अपनी टोपी एक डोरी से बांधकर रखने लगा। इससे उसकी टोपी हवा में उड़ती तो थी लेकिन इधर-उधर नहीं जाती थी। बस यहीं से पतंग बनाने का आइडिया ने जन्म लिया। विभिन्न स्रोतों के अनुसार दुनिया की शुरुआती पतंगें चीन के हुआंग थेंग, मोजी और लुबान ने बनाई थीं। ये पतंगें कागज की नहीं, लकड़ी और रेशम से बनी होती थीं, जिसे 'वुडन बर्ड' यानी 'लकड़ी की चिड़िया' कहा जाता था। बाद में रेशम के कपड़े, बांस आदि की सहायता से पतंगें बनाई जाने लगीं। चीन में पतंग के आविष्कार की एक वजह यह भी थी कि उस दौर में पतंग बनाने का उपयुक्त सामान, जैसे- रेशम का कपड़ा, पतंग उड़ाने के लिए मजबूत रेशम का धागा और पतंग के शेप को सहारा देने के लिए हल्का और मजबूत बांस चीन में आसानी से उपलब्ध था।

चीन में बनी शुरुआती दौर की पतंग

मनोरंजन नहीं था उद्देश्यः आज हम पतंगबाजी को एक खेल के रूप में देखते हैं, इसे मनोरंजन के लिए उड़ाते हैं। लेकिन शुरुआत में पतंग उड़ाना मनोरंजन नहीं था। पतंग का प्रयोग संदेश भेजने, हवा की गति और दिशा का पता लगाने, जासूसी जैसे उद्देश्यों के लिए किया जाता था। धीरे-धीरे उच्च और सामान्य वर्ग के लोगों की रुचि इसमे बढ़ती गई और पतंगबाजी शौक और मनोरंजन का साधन बन गई।

भारत में पतंग का प्रसारः पतंग बनाने की कला और इसे उड़ाने का शौक चीन, जापान, कोरिया, थाइलैंड जैसे देशों से होकर भारत पहुंचा। इसमें विदेशी यात्री, व्यापारी और बौद्ध भिक्षुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देखते ही देखते पतंगबाजी भारत में काफी लोकप्रिय हो गई, यहां के पर्व-उत्सवों एवं संस्कृति का हिस्सा बन गई। आज बच्चे-बड़े सभी खुले आसमान में पतंग उड़ाते हैं, पतंग से जुड़े फेस्टिवल्स एंज्वॉय करते हैं। *

पौराणिक ग्रंथों और इतिहास में पतंग

बच्चो, मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उड़ाने को लेकर एक पौराणिक मान्यता भी है। तमिल ग्रंथ 'तंदनान रामायण' के अनुसार मकर संक्रांति के दिन पहली बार भगवान श्रीराम ने पतंग उड़ाई थी, जो इंद्रलोक तक चली गई थी। तभी से मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उड़ाने की परंपरा चली आ रही है। आधुनिक भारत के इतिहास की बात करें तो 1928 में साइमन कमीशन के विरोध में 'साइमन गो बैक' लिखे काली पतंगें उड़ाकर विरोध प्रदर्शन किया गया था। देश की आजादी के बाद उसी घटना की याद में स्वतंत्रता दिवस पर पतंग उड़ाने की परंपरा शुरू हुई।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

गोलू-दादू की दोस्ती

बच्चो, तुमको अपने दादाजी-नानाजी से बात करने, उनके संग खेलने में भी फ्रेंड वाली फीलिंग आती होगी। हाल में छपकर आई किताब 'गोलू मेरा दोस्त' में तुम एक प्यारे बच्चे गोलू और उसके दादू की दोस्ती से जुड़ी मजेदार कहानियां पढ़ सकते हो। इन नौ कहानियों में तुमको गोलू का नटखट स्वभाव, भोलापन और समझदारी देखने को मिलेगी। किसी कहानी में तुम पढ़ोगे कि गोलू के दादू, उसे बड़े प्यार से जीवन से जुड़ी उपयोगी सीख भी दे देते हैं। संग्रह की पहली कहानी 'गोलू मेरा दोस्त' में तुम पढ़ोगे कि गोलू कैसे दादू को गांव से अपने पास बुलाकर प्यारा सा सरप्राइज देता है! 'गोलू मेरा नाम' कहानी में जब तुम पढ़ोगे कि गोलू कैसे अपना नाम अभिनव के बजाय गोलू पुकारे जाने पर मुंह फुला लेता है और फिर दादू उसे उसकी गलती कुछ ऐसे समझाते हैं कि तुम हंसे बिना नहीं रहोगे। कामचोर का मतलब क्या होता है, इसका अर्थ समझने के लिए तुमको 'गोलू मस्त मोलू' कहानी पढ़नी होगी। किताब की अन्य कहानियां भी तुमको जरूर पसंद आएंगी। *

किताबः गोलू मेरा दोस्त (बाल कहानी संग्रह), **लेखकः** गोविंद शर्मा
मूल्यः 150 रुपए, **प्रकाशकः** पंचशील प्रकाशन, जयपुर

हंसगुल्ले

चिक्की : मिक्की, कल रात को सपने में मेरे पैर में कांटा चुभ गया था।
मिक्की : तुम चप्पल पहन कर सोया करो तब कांटा नहीं चुभेगा।
-खुशी, रायपुर

मिंकी (अपनी मम्मी से) : मम्मी, क्या जुबान के भी पैर होते हैं?

मम्मी : नहीं तो! क्यों?
मिंकी : तो फिर रिंकी मुझसे क्यों कहती रहती है कि तेरी जुबान बहुत चलती है?
-काम्या, भोपाल

चिंटू : बताओ, समांतर रेखाएं एक-दूसरे को क्यों नहीं काटती हैं?
मिंटू : क्योंकि उनके दांत नहीं होते।
-सुरेंद्र, रोहतक

जीके क्विज-187

1. वूमेंस टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी कौन बनी हैं?
2. भारत किस देश को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है?
3. हाल में दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय महिला का क्या नाम है?
4. महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश किस स्थान पर दिया था?
5. भारत के अंतिम गवर्नर जनरल कौन थे?
6. कोणार्क का सूर्य मंदिर किस राज्य में स्थित है?
7. गाजर में कौन-सा विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है?
8. भारत में पहली रेल किन दो स्थानों के बीच चली थी?
9. इलेक्ट्रिक आयरन को गर्म करने के लिए किस धातु का प्रयोग किया जाता है?
10. भरतनाट्यम किस राज्य की नृत्य शैली है?

बच्चों, जीके क्विज-187 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-186 का उत्तर : 1.स्मृति मंधाना, 2. 366 दिन, 3. 10 जनवरी, 4.मिजोरम, 5.मंगोलिया, 6.हाइड्रोजन, 7.माइटोकॉण्ड्रिया, 8.न्यूमिस्मेटिक्स, 9.गंगा डॉल्फिन, 10.विनय कुमार सक्सेना

जीके क्विज-186 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, आपु-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, ज्योति-रायगढ़, गुंजा-रायपुर, रक्षित-बिलासपुर, अनन्या-दुर्ग, केशव-बिलासपुर, नमन-रोहतक, हर्ष-भोपाल, शिवांश-महासमुंद

कहानी

सरस्वती रमेश

राजू को तो यही पता था, मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाकर त्योहार की खुशियां मनाई जाती हैं, लेकिन दादी ने बताया इस दिन दान दिया जाता है, जिसका एक अलग महत्व होता है। राजू को यह बात वास्तव में कितनी समझ में आई, क्या उसने मकर संक्रांति के दिन कोई दान किया?

मकर संक्रांति का दान

राजू के घर आज सुबह-सुबह पूरे परिवार ने स्नान किया। फिर सबने मकर संक्रांति की पूजा की। तिल के लड्डू खाए। खाने में राजू की मम्मी ने आज स्वादिष्ट खिचड़ी बनाई थी। दोपहर में सभी लोगों ने छत पर गुनगुनी धूप में बैठकर खिचड़ी खाई। मम्मी-पापा, दादा-दादी राजू और छोटी बहन पीहू ने खिचड़ी खाई। दादी ने राजू और पीहू से पूछा, 'जानते हो बच्चो, मकर संक्रांति के दिन क्या करते हैं?'

'हां.. हां.. जानता हूं। आज के दिन मजे से पतंग उड़ाते हैं।' राजू तपाक से बोला। 'हां पतंग तो उड़ाते हैं, लेकिन इस दिन को बहुत शुभ माना जाता है। गरीब लोगों को दान भी करते हैं। आज के दिन दान करने से उसका पुण्य कई गुना बढ़ जाता है।' दादी ने बताया।

'दान क्या होता है दादी?' पीहू ने भोलेपन से पूछा।

'दान मतलब किसी गरीब को कुछ देना। कोई खाने की चीज या वस्त्र आदि।' दादी बोलीं।

'फिर तो भैया आप मुझे अपनी बड़ी वाली पतंग दान कर दो न प्लीज।' पीहू ने मचलते हुए कहा तो सब हंस पड़े।

कुछ देर बाद राजू अपने पापा और बहन के साथ घर के पास ही ग्राउंड में पतंग उड़ाने गया। आसमान में रंग-बिरंगी पतंगें उड़ रही थीं। बच्चे, बड़े सब पतंगें उड़ा रहे थे। तभी वहां एक बच्चा दिखाई दिया। वह पेड़ के पीछे खड़ा होकर सबको पतंगें उड़ाता हुआ देख रहा था। ठंड काफी थी, लेकिन उस बच्चे ने सिर्फ एक हाफ शर्ट और नेकर पहन रखी थी। राजू के पापा की नजर उस पर पड़ी तो उन्होंने पूछा, 'अरे! तुम यहां क्यों छिपे हुए हो?' 'सबको पतंगें उड़ता देख रहा हूं।' वह बच्चा बोला।

'तुम्हारी पतंग कहां है?' राजू ने उससे पूछा।

'मेरे पास नहीं है।' बच्चा उदास स्वर में बोला।

'और इतनी ठंड में तुमने स्वेटर क्यों नहीं पहन रखा है? तुम्हें ठंड नहीं लग रही क्या?' पापा को अचरज हो रहा था।

'लग रही है। स्वेटर गंदा हो गया था तो मां ने धोकर सूखने के लिए डाल रखा है।' बच्चे ने सकुचाते हुए बताया।

'तो दूसरा पहन लेते।' पास खड़ी पीहू बोली।

'दूसरा नहीं है।' लड़का धीमी आवाज में बोला।

'अच्छा तुम्हारा नाम क्या है?' पापा ने पूछा।

'मोनू।' लड़के ने बताया।

'तुम रहते कहां हो?' पापा ने जानना चाहा।

'वो सामने बस्ती में।' बच्चे ने अंगुली के इशारे से बताया।

'क्या तुम मेरे बेटे का पुराना स्वेटर लेलोगे।' पापा ने पूछा।

'मां से पूछकर बताऊंगा।' इतना कहकर वह जाने लगा तो राजू ने उसे रोक लिया।

'यह लो मेरी पतंग और मांझा, ठीक से उड़ाना।' राजू ने अपनी पतंग-मांझा उसके हाथों में पकड़ा दिया।

पतंग पाकर बच्चा खुश हो गया और दौड़ते हुए घर की ओर चला गया। राजू पापा के साथ घर लौट आया। पापा ने घर में बच्चे की बात सभी को बताई। यह भी बताया कि राजू ने उसे अपनी पतंग दे दी।

'लेकिन शाम को तो सर्दी और बढ़ जाएगी। हमें उसे गर्म कपड़े भी देने चाहिए।' मम्मी ने सुझाव दिया।

'यदि उसने पुराने कपड़े न लिए तो?' पापा बोले।

'हम उसके लिए नए कपड़े देंगे।' राजू ने कहा।

'लेकिन इतनी जल्दी नए कपड़े आएंगे कहां से?' मम्मी बोलीं।

'आपने जो मेरे लिए नया स्वेटर खरीदा है, वही उसे दे दीजिए।' राजू तुरंत बोला।

'लेकिन वो तो तुम्हारे लिए है और महंगा भी बहुत है।' दादी बोलीं।

'दादी, सुबह आपने कहा था न कि आज गरीब को दान करना चाहिए। वह गरीब बच्चा है। उसे स्वेटर देंगे आज।' राजू ने दादी को सुबह वाली बात याद दिलाई। 'जरूर बेटा, तुमने तो संक्रांति की परंपरा को ठीक से समझ लिया है। ले आओ, अपना नया वाला स्वेटर। चलो अभी चलते हैं मोनू के घर।' पापा बोले।

राजू भाग कर अपने कमरे से स्वेटर ले आया और खुशी-खुशी पापा के साथ मोनू के घर की ओर चल पड़ा। घर में दादी, मम्मी और पीहू भी यह देखकर बहुत प्रभावित और खुश थे कि दयालु राजू के कारण एक गरीब का भला होगा। *

कविता

अखिलेश श्रीवास्तव चमन

एक पर्व के इतने नाम!

छोटे से मिस्टर अयान
सोच-सोच कर हैं हैरान
तिथि एक है, पर्व एक है
लेकिन इसके इतने नाम!
दक्षिण भारत में है पोंगल
उत्तर में कहलाता खिचड़ी
असम राज्य में बिहू कहते
पंजाबी कहते हैं लोहड़ी।
मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा
में होता है मकर संक्रांति
पर पश्चिम बंगाल के अंदर
कहलाता है पौष संक्रांति।
इस दिन सूरज दिशा बदल
उत्तरी गोलार्ध में आ जाता है
रातें छोटी होने लगतीं
दिन लंबाई पा जाता है।
भुनी मूंगफली, गुड़ की पट्टी
तिल की गजक, रेवड़ी खाकर
पूरा देश मनाया करता
है यह पर्व, पतंग उड़ाकर।

रंग भरो-193

रंग भरो-193 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रुजुला, रोहतक

आशना, जांजगीर

पयोनिधि, अंबिकापुर

आन्या, दुर्ग

लालिमा, गरियाबंद

रेयांश, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

देव्यांश-दुर्ग, दिशांत-महेंद्रगढ़, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, सुमन-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सौम्या-करनाल, रोहन-बिलासपुर, दिव्या-कोरबा, साकेत-बालोद

रंग भरो 194

बच्चो, यहां पतंग उड़ा रहे एक बच्चे का ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

तोशाम। ग्रामीणों को जागरूक करते स्पेशल स्कूल का स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम में ग्रामीणों को किया जागरूक

तोशाम। गांव सरल के जेबीडीएम कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन व स्पेशल स्कूल के स्टाफ सदस्यों के द्वारा गुरुवार को गांव बागनवाला में एक दिवसीय सामुदायिक आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के तहत 'शीघ्र पहचान और शीघ्र हस्तक्षेप' के बारे में ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी समस्या, विकासात्मक देरी या दिव्यांगता को बच्चे के जीवन में बहुत शुरुआती अवस्था में ही पहचान करने पर व उचित मदद और हस्तक्षेप देकर उनके विकास को बेहतर बनाया जा सकता है और उनके जीवन पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को कम किया जा सकता है।

सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन की दिलवाई शपथ

भिवानी। देशभर में एक से 31 जनवरी तक मनाए जा रहे राष्ट्रीय सडक़ सुरक्षा माह-2026 के तहत भिवानी जिला रेडक्रॉस सोसाइटी ने सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और युवाओं को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान की शुरुआत की है। अभियान के दौरान भिवानी रैडक्रॉस अध्यक्ष साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन एवं भिवानी रैडक्रॉस के सचिव प्रदीप कुमार के नेतृत्व में वीरवार को रैडक्रॉस भवन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। रेडक्रॉस सचिव प्रदीप कुमार ने युवाओं और स्वयंसेवकों को सडक़ सुरक्षा के नियमों का पालन करने की शपथ दिलवाई और उन्हें जीवन की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

बबली यादव ने स्वास्थ्य मंत्री से की शिष्टाचार भेंट

मंडी अटेली। ग्रीवेंस कमेटी की मेंबर एडवोकेट बबली यादव ने स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से उनके चंडीगढ़ स्थित निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नया वर्ष नई ऊर्जा, नए संकल्प और नए अवसरों का प्रतीक होता है। जो हमें समाज और राज्य की सेवा के प्रति और अधिक दृढ़ संकल्पित करता है। इस मौके पर ग्रीवेंस कमेटी की मेंबर एडवोकेट बबली यादव ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, ताकि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लोगों को समान, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

घर-घर जाकर ड्रॉप आउट बच्चों का हो रहा सर्वे

नारनौल। एजुकेशनल वॉलिंटियर्स प्रियंका यादव ने बताया कि हम बच्चों के घर-घर जाकर, अप्रवासी मजदूरों के बच्चों, ईंट-भट्टों एवं गाड़िया लुहार जहां रहते हैं, जैसे इंद्रा कॉलोनी व जल महल आदि में संपर्क किया। उनको विश्वास दिलाया और उनको शिक्षा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि महेंद्रगढ़ जिले में ड्रॉप आउट या आउट ऑफ स्कूल वाले 6 वर्ष से 14 वर्ष तथा 16 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को स्कूल तक पहुंचाना ही दायित्व है। उन्होंने कहा कि हर बच्चा सीख सकता है, पढ़ सकता है बस उसे केवल सही दिशा और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

बदहाली के आंसू रो रहे भिवानी के पार्क, पूर्व पार्षद मान ने लगाई प्रशासन से गुहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- शहर के पार्कों की साफ-सफाई को लेकर समाधान शिविर में की शिकायत
- प्रशासन की अनदेखी के कारण शहर के पार्क खो रहे अपना अस्तित्व : मान

शहर के सार्वजनिक पार्कों की दुर्दशा और चारों तरफ फैली गंदगी को लेकर पूर्व जिला पार्षद ईश्वर सिंह मान ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने उपायुक्त को समाधान शिविर के माध्यम से दो अलग-अलग शिकायत पत्र सौंपकर पार्कों के सुंदरीकरण और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने की पुरजोर मांग की है। पूर्व जिला पार्षद मान ने शिकायत में पुराना बस स्टैंड के पीछे ठाकुर बीर सिंह मेमोरियल पार्क का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि जिस स्थान पर पहले जोहड़ था, वहां प्रशासन ने बड़े स्तर पर पूर्वमंत्री ठाकुर बीरसिंह की स्मृति में पार्क का निर्माण करवाया। उन्होंने बताया कि पार्क में पिछले 6 महीनों से कूड़े के बड़े-बड़े ढेर लगे हैं। उन्होंने बताया कि रामसिंह वर्मा वाली गली के पास पार्क की चारदीवारी पर गोबर के उपले पाथे जा रहे हैं, जिससे पार्क की सुंदरता पूरी तरह नष्ट हो गई है। उन्होंने बताया कि सैंकड़ों बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे सुबह-शाम सैर करने आते हैं, गदंगी के चलते उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मान ने हलवासिया स्कूल, डॉ. भारद्वाज अस्पताल के सामने स्थित पार्कों की बदहाली का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पार्क के गेट के सामने गंदगी का साम्राज्य है और लोहे की ग्रिल तक गायब हो चुकी है। मान ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पार्क की हालत देखकर लोगों को रोना आता है, इससे अच्छी हालत तो गांवों में पशुओं को बांधने वाले बाड़े की होती है। पूर्व जिला पार्षद ईश्वर मान ने प्रशासन की अनदेखी के कारण भिवानी शहर के पार्क अपनी पहचान खो रहे हैं। वे मांग करते हैं कि इन पार्कों से कूड़ा हटाया जाए, टूटे हुए झूले दोबारा लगाए जाएं और इनका सुंदरीकरण किया जाए।

भिवानी। पार्क में फैली गंदगी व शौचालयों के अभाव में बनी दुर्दशा। फोटो : हरिभूमि

शिविर में इंदिरा आवास के रिकॉर्ड की शिकायत लेकर पहुंचे फरियादी

प्रत्येक सोमवार व वीरवार को जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर लगते समाधान शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। समाधान शिविर में शिकायतें सुनते सीटीएम अनिल कुमार तथा चरखी दादरी के लघु सचिवालय में समस्या सुनते डीसी डॉ. नागपाल। फोटो : हरिभूमि

वीरवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में समाधान शिविर आयोजित हुआ। सीटीएम अनिल कुमार ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने शिविर में पहुंची अवैद्य कब्जे और पार्कों के रख-रखाव, पेयजल व सीवरेज की समस्यओं का समाधान करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सोमवार और वीरवार को जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित होते हैं, जिनमें नागरिक अपनी समस्याओं को रख सकते हैं। सीटीएम के समक्ष पूर्व पार्षद ईश्वर मान ने ठाकुर बीर सिंह पार्क, हलवासिया विद्या विहार स्कूल के सामने वाले पार्क की व्यवस्था दुरुस्त करवाने, डीसी कॉलानी के निवासियों ने पानी व सीवरेज की व्यवस्था करवाने, केके ग्रोवर ने सेठ किराड़ीमल पार्क की दीवार को दुरुस्त करवाने, सुनील वर्मा नंबरदार ने नेहरू पार्क में फुटपाथ दुरूस्त करवाने, पानी व शौचालय की व्यवस्था करवाने, घंघाला निवासी सतबीर व जगदीश ने इंदिरा आवास योजना के तहत मिले मकानों का रिकार्ड दिलवाने, सेक्टर 23 निवासी रामेश्वर दास ने गली में रुके हुए पानी की निवासी करवाने, सतीश कुमार ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलवाने, बलियाली निवासी मीनाक्षी ने दयालु योजना का लाभ दिलवाने, रामकुमार ने गली से अवैध कब्जा हटवाने, सीमा ने काम दिलवाने, सुरेश कुमार ने पुराने हाउसिंग बोर्ड में स्थित मकान का बिजली का कनेक्शन हटवाने, सेक्टर 13 निवासी सुरेश कुमार ने अवैध कब्जा हटवाने व साफ सफाई संबंधी समस्या रखी। सीटीएम ने सभी समस्याओं को गौर से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। शिविर में सीएमजीजीए ऋषव रंजन, डीईओ निर्मल दहिया, नप विकास देशवाल, गैर सरकारी सदस्य रामकिशन हालुवासिया आदि मौजूद रहे।

अधिकारी समाधान शिविरों की समय पर भिजवाएं रिपोर्ट: उपायुक्त

- समाधान शिविरों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर करें निपटारा : डॉ. नागपाल

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे समाधान शिविरों की शिकायतों व मांग की सूची समय पर भिजवाये। सभी अधिकारी शिकायत का निपटारा करते समय संबंधित नागरिक से बात करें तथा नागरिक की संतुष्टि अथवा असंतुष्टि का रिपोर्ट में विवरण दें। उपायुक्त डॉ नागपाल ने लघु सचिवालय स्थित हाल में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने परिवार पहचान पत्र, कृषि, पुलिस से संबंधित शिकायतों की सुनवाई के दौरान मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन शिकायतों के यथाशीघ्र उचित निपटारे के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर सही निपटारा करें ताकि यह शिकायतें रि-ओपन न हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी 10 दिन में हर शिकायत का निदान सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार नागरिकों की शिकायतों का एक छत के नीचे तुरंत निदान करने के उद्देश्य से हर सप्ताह के सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला मुख्यालय के उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। समाधान शिविर में एसडीएम योगेश सैनी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बवानी खेड़ा। वीर शहीद गुलाब सिंह पीएमश्री कन्या स्कूल में शिविर के समापन पर अतिथियों के साथ स्वयंसेविकाएं। फोटो : हरिभूमि

स्वयंसेवकों ने लगाई बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट की प्रदर्शनी

विद्यार्थियों की प्रतिभा को दिया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

- मुख्यातिथि ने स्वयंसेवकों का बढ़ाया मनोबल

बवानीखेड़ा के वीर शहीद गुलाब सिंह पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे एनएसएस शिविर का सातवे दिन समापन पर कार्यक्रम हुआ। समापन कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में नगर पालिका बवानीखेड़ा के चेयरमैन सुंदर अत्री ने अपनी उपस्थित दर्ज करवाई और स्वयंसेवकों का मनोबल बढ़ाया। वहीं बतौर विशिष्ट अतिथि समाजसेवी मनीष शंकर ने शिरकत की। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य एनं एनएसएस जिला समन्वयक आनंद शर्मा ने किया। वहीं कार्यक्रम अधिकारी कुसुम शर्मा एवं मुख्य वक्ता कमलजीत ने अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से की। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने एनएसएस लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया, जिसने सभी में सेवा भावना का संचार किया। इसके बाद मुख्यतिथि चेयरमैन सुंदर अत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए समाजसेवा, अनुशासन एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट विषय पर सुंदर प्रदर्शनी लगाई, जिसमें विद्यार्थियों की रचनात्मकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश स्पष्ट रूप से देखने को मिला। अंत में प्राचार्य आनंद शर्मा ने सात दिवसीय एनएसएस शिविर की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया और स्वयंसेवकों के कार्यों की प्रशंसा की।

बवानी खेड़ा। गांव बलियाली के राजकीय कन्या स्कूल में पर्यावरण को सुरक्षित रखने को जागरूकता रैली निकालते स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

स्वयंसेवकों ने पर्यावरण बचाने को निकाली रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

गांव बलियाली के राजकीय कन्या वमा विद्यालय में एनएसएस शिविर के छठे दिन की विद्यालय परिसर की साफ सफाई की। योग व प्राणायाम के उपरांत शिविर में मुख्यतिथि के रूप में सरपंच सचिन सरदाना व अशोक सरदाना ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हुए मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्वलन किया। स्वयंसेविका लक्ष्मी व सलोनी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुख्यतिथि ने स्वयंसेविकाओं को जीवन में संस्कारों, नैतिक मूल्यों और प्रकृति संरक्षण के महत्व का बोध करवाया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कविता के नेतृत्व में स्वयंसेविकाओं ने सड़क सुरक्षा, स्वच्छता व नशे के दुष्प्रभावों सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी हासिल की। प्राचार्य जयवीर सिंह सिवाच ने स्वामी विवेकानंद के जीवन आदर्शों पर प्रकाश डाला। लक्ष्य गीत की शानदार प्रस्तुति के बाद सरपंच सचिन सरदाना व अशोक सरदाना ने सामूहिक रूप से जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सरपंच सचिन ने बताया कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने को हमें समय समय पर पौधरोपण कर उनका संरक्षण करना चाहिए। इस अवसर पर रेखा, रोशनी, गणिता, हर्ष, पुष्पा व रामभतेरी आदि उपस्थित थी।

बैठक में दी महिला सुपोषण की जानकारी

लोहारू। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में चल रहे पोषण अभियान की कड़ी में गुरूवार को कार्यकर्ता मूर्ति बिजारणीय ने झांझड़ा बास के आंगनबाड़ी केंद्र पर सुपोषण दिवस कार्यक्रम आयोजित किया और गर्भवती महिलाओं को पोषण संबंधी जानकारी प्रदान की। मूर्ति ने बताया कि कार्यक्रम में स्तनपान कराने वाली महिलाओं, गर्भवती महिलाओं, बच्चों और किशोरों ने हिस्सा लिया। जिन्हें नियमित दिनचर्या और खानपान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस मौके पर नीकू, अनिता, सीमा, कृष्णा, आस्था, दर्शना, मुन्नी, जयश्री, सरबती आदि मौजूद रही।

महिलाओं में कुपोषण रोकने को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहल

बहल। हमारा पोषण हमारी पंचायत कार्यक्रम में उपस्थित आंगनबाड़ी वर्कर व अन्य महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं में कुपोषण को रोकने के लिए हमारा पोषण हमारी पंचायत कार्यक्रम चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बहल कस्बे में विभाग की समुदाय-आधारित आयोजन (सीबीई मीटिंग) में बहल सर्कल में सघन पोषण जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं के अलावा कस्बे की जागरूक महिलाओं ने भाग लिया। वीरवार को कार्यक्रम में सुपरवाइजर रीतू नागर ने महिलाओं को विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों व योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों का ये दायित्व है कि वो सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि गर्भवती व स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पोषण की सही जानकारी नहीं होती। इसकी वजह से नवजात शिशु शारीरिक रूप से सही विकसित नहीं हो पाता है, इसलिए ऐसी अवस्था में महिलाएं अपने खानपान का सही ध्यान रखें और भोजन में पोषक तत्वों को शामिल करें। हरी सब्जियां, दालें, दूध व प्रोटीनयुक्त भोजन लें। वे समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच करवाएं व खून की कमी होने की स्थिति में चिकित्सक परामर्श के अनुसार आयरन की गोलियां लें। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अपने अपने क्षेत्रों में पोषण अभियान के बारे में महिलाओं को विस्तृत जानकारी देने के लिए प्रेरित गया।

उद्यमी युवा सम्मानित योजना से बढ़ेंगे अवसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- उद्यमी युवा सम्मानित योजना के लिए आवेदन आमंत्रित 12 तक

डीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि प्रदेश की सभी राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से प्रशिक्षित युवाओं में स्वरोजगार स्थापित करने की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा उद्यमी युवा सम्मनित योजना चलाई गई है। इस योजना के लिए आईटीआई युवाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसकी अंतिम तिथि 12 जनवरी है। डीसी गुप्ता ने बताया कि सरकार द्वारा सफल उद्यमियों को पुरस्कृत करने की योजना लागू की है। इसके तहत अपना सफल उद्यम स्थापित करने एवं चलाने में प्रथम विजेता को 10 हजार, द्वितीय को 7500 व तृतीय को पांच हजार रुपये की नकद राशि एवं प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इन विजेताओं को जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को सम्मानित किया जाएगा। इच्छुक आईटीआई पास युवा जिला मुख्यालय पर स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 12 जनवरी तक अपने आवेदन जमा करवा सकता है।

निर्माण मजदूर 17-18 को करेंगे रोष प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- निर्माण मजदूरों को फर्जी साबित करके सरकार खत्म करना चाहती श्रम कल्याण बोर्ड : इंदौरा

हजारो निर्माण मजदूर करेंगे 17-18 जनवरी को मंत्री श्रुति चौधरी के आवास पर रोष प्रदर्शन व महापड़ाव डालेंगे। संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा, भिवानी की सयुक्त बैठक इंटक कार्यालय भिवानी में फुल सिंह इंदौरा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सीटू नेता कामरेड अनिल कुमार, इंटक नेता रामोतार खोरड़ा, एटक नेता फूल सिंह इंदौरा, सुबेसिंह किकराल, आईसीटीयू नेता आजाद मिरान, राष्ट्रीय कामगार संघ नेता सुरेश गुजरानी आदि शामिल हुए। बैठक में चर्चा करते हुए भवन निर्माण यूनियन नेताओं ने बताया कि 14 दिसंबर को हजारों निर्माण मजदूरों ने कुरुक्षेत्र मुख्यमंत्री आवास पर जोरदार प्रदर्शन किया था,जिस पर मुख्यमंत्री के ओएसडी ने 15 दिन में निर्माण मजदूरों की समस्याओं का समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन एक महीना बीतने के बावजूद आज तक निर्माण मजदूरों की मांगो व समस्याओं का समाधान नहीं किया गया हैं। 17 जनवरी को ठाकुर बीरसिंह पार्क भिवानी में भिवानी, दादरी, महेन्द्रगढ, रेवाडी के हजारों निर्माण व मनरेगा मजदूर इक्ट्ठा होकर मंत्री श्रुति चौधरी के आवास पर जोरदार रोष प्रदर्शन करेंगे।

बढ़ता रोजगार नए कानून के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र का सरपंच ने जताया आभार

कानून के तहत एकल महिला को रोजगार की गारंटी के लिए एक प्रमाणपत्र दिया जायेगा

ग्रामीणों ने नहर की सफाई का काम किया शुरू जी रामजी कानून से श्रमिकों में उत्साह: डॉ. ज्योति

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

- ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए अवसर खोले

ग्रामीण भारत के नागरिकों के लिए केंद्र सरकार के नए कानून जी राम जी से कारीआदु के ग्रामीणों के भारी उत्साह बना हुआ है और सैंकड़ों ग्रामीणों ने नहर की सफाई का काम शुरू किया है। भारत सरकार ने मनरेगा की जगह जी रामजी कानून ला कर ग्रामीण क्षेत्रों के ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए अवसर खोल दिए हैं। इस कानून के तहत अब 100 दिन की बजाय 125 दिन की रोजगार की गारंटी प्रदान की है। गांव कारीआदु की सरपंच डॉ. ज्योति शर्मा ने बताया कि इस नए कानून आने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की कोई कमी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि इस कानून में अब ग्रामीणों को 125 दिन के रोजगार की गारंटी प्रदान की है, जिसकारण फुर्सत के समय ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार मिलता रहेगा। इस नए कानून के कारण अब 125 दिन की दिहाड़ी हर हाल में मिलनी सुनिश्चित हो गई है, अगर किसी कारणवंश ग्राम पंचायत 125 दिन काम नहीं करवा पाती तो मजदूर को 125 दिन का भत्ता अवश्य दिया जायेगा। इस कानून के तहत एकल महिला को रोजगार की गारंटी के लिए एक प्रमाणपत्र दिया जायेगा। जिससे उसके 125 दिन के

बाढ़डा। गांव कारी में नहर सफाई में जुटे श्रमिक। फोटो : हरिभूमि

125 दिन काम की गारंटी

गांव की सरपंच डा. ज्योति शर्मा ने बताया कि मोदी जी के नेतृत्व में 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प पूरा करने में यह कानून बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके तहत काम करने के इच्छुक सभी ग्रामीणों को 125 दिन का रोजगार अवश्य दिया जायेगा। सरपंच डॉ ज्योति के साथ पंच जयवीर काला, पंच मोनिका वर्मा, पंच रजनी जांगड़ा, पंच जोगेंद्र कांगड़ा,पंच सुनीता इंदौरा ने नए कानून के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायाब सैनी, बाढ़ड़ा के विधायक उमेद पातुवास व जिला प्रशासन का आभार जताया।

काम की गारंटी तय की जाएगी। इस नए कानून के तहत कारी आदु में लगभग 50 ग्रामीणों ने नए साल में कारी तोखा माइनर की सफाई का काम शुरू कर दिया है।

विकास के सपनों को हकीकत में बदल रही मंत्री श्रुति चौधरी: जयसिंह

भिवानी। सिंचाई एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने बुधवार को अपने गृह क्षेत्र तोशाम को करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। मंत्री ने क्षेत्र में करोड़ों रूपयों की लागत वाली विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया, ये बात वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि ने कही। उन्होंने विकास कार्यों का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के लिए स्वर्ण युग की शुरुआत बताया। भाजपा नेता वाल्मीकि ने मंत्री श्रुति चौधरी के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व और राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के मार्गदर्शन का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राज्यसभा सांसद किरण चौधरी एवं मंत्री श्रुति चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर एसडीएम ने ली अधिकारियों की बैठक

लोहारू। आगामी 26 जनवरी को स्थानीय चौ देवीलाल खेल स्टेडियम में उपमंडल स्तरीय गणतंत्र दिवस कार्यक्रम समारोह पूर्वक मनाया जाएगा। समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा झांकियां निकाली जाएंगी तथा उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले कर्मचारियों व अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी एसडीएम मनोज दलाल ने गुरूवार को स्थानीय कार्यालय में विभिन्न विभागो के अधिकारियों की बैठक को संबोधित करने के बाद दी। एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में सुबह 9:58 बजे समारोह स्थल पर मुख्यतिथि का आगमन होगा तथा मुख्यतिथि दस बजे राष्ट्रगान की धुन के साथ ध्वजारोहण करेंगे। परेड, पीटी शो व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। परेड में पुलिस के अलावा एनसीसी, होमगार्ड व छात्राओं की टुकडियां भी शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि 24 जनवरी को चौधरी देवीलाल स्टेडियम में फाइनल रिर्हसल की जाएगी।

- चौधरी देवीलाल खेल स्टेडियम में होगा समारोह

खबर संक्षेप

एग्री स्टैक आईडी अनिवार्य : डीसी

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए 18 दिसंबर से एग्री स्टैक पोर्टल की शुरुआत की गई है। इस पोर्टल का उद्देश्य प्रदेश के सभी काश्तकार किसानों को एक डिजिटल मंच पर जोड़ना और उन्हें कृषि से संबंधित सुविधाओं का लाभ सरल एवं पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराना है। एग्री स्टैक पोर्टल के अंतर्गत किसान की यूनिक किसान आईडी बनाई जा रही है।

नहीं रहने देंगे स्वच्छ पेयजल सप्लाई समस्या

तोशाम। एसडीएम प्रदीप अहलावत ने बताया कि कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के दिशा-निर्देश पर गांव बीरण में स्वच्छ पेयजल सप्लाई की कमी नहीं रहनी दी जाएगी। इसके लिए अतिरिक्त वॉटर टैंक की व्यवस्था की गई है, जो घर घर जाकर लोगों को पेयजल आपूर्ति उपलब्ध करवा रहा है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता विकास धनखड़ ने बताया कि बुधवार को बीरण के लोग स्वच्छ पेयजल सप्लाई बारे मिले थे।

नशामुक्ति एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम

बाढ़ड़ा। राजकीय महिला महाविद्यालय बाढड़ा में नशा मुक्ति एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चरखी दादरी के निर्देशन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार के मार्गदर्शन में एंटी-ड्रग अवेयरनेस सेल एवं लीगल लिटरेसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पैनल एडवोकेट बालकिशन ने मुख्य वक्ता के रूप में सहभागिता की।

सुगम राजस्व सेवाएं करवाई जाएं उपलब्ध

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ मुनीश नागपाल ने कहा कि राजस्व विभाग से संबंधित इंतकाल, पार्टिशन केस से संबंधित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करे तथा नागरिकों को पारदर्शी व सुगम राजस्व सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएं। उपायुक्त डॉ मुनीश नागपाल ने वीसी रूम में राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ ततीमा अपडेट, मॉर्डन राजस्व रिकॉर्ड रूम, इंतकाल, पेपर लैस रजिस्ट्री, व एग्री स्टैक सहित अन्य कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर एसडीएम योगेश सैनी एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सिंचाई मंत्री ने तोशाम में एसटीपी के औचक निरीक्षण के दौरान ली सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की जानकारी

कैबिनेट मंत्री श्रुति ने तोशाम में एसटीपी के पानी को सिंचाई में प्रयोग का प्रोजेक्ट तैयार करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

सिंचाई एवं जल संसाधान और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने बुधवार को तोशाम कार्यक्रम के दौरान कस्बे में सीवरेट ट्रीटमेंट प्लांट का औचक निरीक्षण किया।

- एसटीपी के बारे में ली विस्तार से जानकारी

उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों से एसटीपी के पानी को खेती में प्रयोग किए जाने के बारे में विस्तार से जानकारी ली। अधिकारियों ने केबिनेट मंत्री को बताया कि एसटीपी प्लांट से साफ किए पानी को खेती में प्रयोग लाया जा सकता है, जिससे किसानों को लाभ होगा। इस पर सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी और सिंचाई विभाग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से प्रोजेक्ट तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि उसे अमलीजामा पहनाया जा सके।

तोशाम। एसटीपी का निरीक्षण करती सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी। *फोटो : हरिभूमि*

माफी मांगनी चाहिए

उल्लेखनीय है कि सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने बुधवार को कस्बा तोशाम में करोड़ों रुपये की लागत की पेयजल परियोजनाओं की सौगात दी थी। उन्होंने तोशाम में एसटीपी का औचक निरीक्षण किया, जिसका निर्माण पूर्वमंत्री एवं वर्तमान में राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने अपने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री के कार्यकाल के दौरान करवाया था। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों से एसटीपी के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

एसटीपी से पानी को साफ कर क्षेत्र की ड्रेन में डाला जा रहा

विभाग के कार्यकारी अभियंता विकास धनखड़ ने श्रुति चौधरी को बताया कि एसटीपी से पानी को साफ कर क्षेत्र की ड्रेन में डाला जा रहा है, ड्रेन से किसान पानी लेकर सिंचाई कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र की करीब 300 एकड़ भूमि में पानी का प्रयोग हो रहा है। अधिकारियों ने सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी को बताया कि भिवानी में दादरी रोड पर प्रोजेक्ट बनाया है, उसी तरह का प्रोजेक्ट तोशाम में बन जाता है तो क्षेत्र के किसानों को सीधा लाभ होगा। इस प्लांट से किसान सीधे तौर पर पानी ले सकेंगे। सिंचाई मंत्री ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश कि वे सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से प्रोजेक्ट तैयार करें ताकि उसे अमलीजामा पहनाया जा सके।

मांगें न मानने पर आंदोलन की चेतावनी

रोडवेज कर्मचारियों ने मांगों को लेकर की भूख हड़ताल

आठवें वेतन आयोग का गठन कर वेतन विसंगति दूर करे सरकार: फौजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन सम्बंधित सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर गुरुवार को भिवानी डिपो में सुबह नौ बजे से पांच बजे तक रोडवेज कर्मचारियों ने भूख हड़ताल रखी, जिसकी अध्यक्षता डिपो प्रधान अनिल फौजी ने की तथा संचालन डिपो सचिव अनिल नागर ने किया। यूनियन के राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद व उप महासचिव पवन शर्मा ने फूल-मालाएं पहनाकर कर्मचारियों को भूख हड़ताल पर बैठाया।

उन्होंने सरकार से विभाग में निजी बसों को बढ़ावा न देकर रोडवेज में दस हजार नई सरकारी बसें शामिल करने, कर्मशाला सहित सभी खाली पड़े पदों पर शीघ्र पक्की भर्ती करने व नई पेंशन स्कीम को रद कर पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार व परिवहन विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ कई दौर कि बातचीत में विभाग के कर्मचारियों की बनाई तबादला नीति खामियों पर यूनियन लिखित आपत्ति जताते हुए तबादला निती रद करने की मांग कर चुकी है। चालकों व परिचालकों का आपसी स्थानांतरण किए जाएं और कर्मचारियों को अपने गृह जिले में भेजा जाए। इसके बावजूद सरकार पॉलिसी लागू करना चाहती है तो रोडवेज कर्मचारी आंदोलन करने पर मजबूर होंगे व ऑनलाइन तबादला नीति का डट कर विरोध करेंगे।

उन्होंने कहा सरकार अपने वायदे के अनुसार सभी खाली पदों पर प्रमोशन करें। वहीं 22 मई 2025 को महानिदेशक के साथ हुई बातचीत में जिन मांगों पर सहमति बनी थी उनमें चालकों, लिपिकों, परिचालकों का पे ग्रेड बढ़ाने, चालक व परिचालकों को एक माह में 30 रात्रि ठहराव के भुगतान की पावर महाप्रबंधको को देने, 2004 से पहले लगे चालको को नियुक्ति तिथि से पक्का करने व पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने, चालक, परिचालक, निरीक्षक, उपनिरीक्षक व कर्मशाला के कर्मचारियों को मिलने वाले देय अर्जित अवकाश पूर्व की भांति एक वर्ष में 33 अवकाश देने व चालको की पदोन्नति के लिए 194 पोस्ट अड्डा इंचार्ज बनाने व कर्मशाला में ग्रुप डी के कर्मचारियों को कॉमन कैडर से बाहर करने की मांग की गई। 15 जनवरी को चार डिपो नारनौल, चंडीगढ़, रोहतक व कैथल में भुख हड़ताल की जाएगी।

भिवानी। बस स्टैंड पर भूख हड़ताल के दौरान विरोध जताते रोडवेज कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

भूख हड़ताल में ये रहे मौजूद

भूख हड़ताल में रामकिशन, सोनू प्रजापत, प्रदीप ढुग्गल, जसवंत सिंह, राजेश शर्मा, नितेश, रमेश लांबा, जैनपाल सिंह, नितेश, सोनू लखेरा, बिसनपाल, नरेश, विकी काकरोली, अशोक टीटानी, दयानंद, सुरेंद्र बडेसरा, राजेश, सतीश व दलीप आदि उपस्थित थे।

प्राइवेट बस परिचालकों की मनमानी के खिलाफ फूटा गुस्सा, सौंपा ज्ञापन

- निजी बसों के परिचालक वरिष्ठ नागरिकों व विद्यार्थियों से करते दुर्व्यवहार : रोहताश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

जिले में निजी बस संचालकों द्वारा सरकारी नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाने और बुजुर्गों व छात्र-छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार करने का मामला गर्माता जा रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर वीरवार को ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन (एआईकेकेएमएस) की जिला कमेटी ने कड़ा रुख अख्तियार किया। संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय यातायात प्राधिकरण (आरटीए) कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन के जिला प्रधान रोहतास सैनी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन को चेताया कि निजी बसों के परिचालक वरिष्ठ नागरिकों व छात्र-छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं।

भिवानी। निजी बस परिचालकों की मनमानी के खिलाफ ज्ञापन सौंपते ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

भारतीय मजदूर संघ की अगुवाई में श्रमिकों ने रोष मार्च निकाला

- श्रम कल्याण बोर्ड के पोर्टल को खुलवाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बाढ़ड़ा

उपमंडल मुख्यालय पर भारतीय मजदूर संघ की अगुवाई में अनेक श्रमिक संगठनों ने एकजुटता से रोष प्रदर्शन कर एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। श्रमिकों ने सरकार द्वारा श्रम कल्याण बोर्ड के पोर्टल को खुलवाने की मांग की।

श्रमिकों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रोष बैठक को संबोधित करते हुए भवन निर्माण श्रमिक संघ हरियाणा संबंधित भारतीय मजदूर संघ जिलाध्यक्ष अंकुश मोरवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा श्रम विभाग के पोर्टल को बंद किए हुए लगभग आठ महीने हो गए हैं।

इसमें प्रदेश के पात्र श्रमिक पूरी तरह से परेशान है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के सभी लाभ रोक दिए गए है। प्रदर्शन में प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद खोरड़ा, अशोक काकड़ौली, शीशराम, नवीन कुमार, सोमबीर सिंह, मांगेराम, धर्मेंद्र सिंह, उदयभान, रामनिवास, शिवकुमार, संजय मोद, राजबीर पिचौपा, बजरंग, पवन कुमार आदि मौजूद रहे।

बाढ़ड़ा। कस्बे में रोष मार्च निकालते श्रमिक। *फोटो : हरिभूमि*

कितलाना गोशाला को पूर्वजों की स्मृति में गोसेवा के लिए भेंट किया टैम्पू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

नीमड़ीवाली के परिवार ने गौसेवा और सामाजिक सरोकार की अनुपम मिसाल पेश की है। स्वर्गीय मंशाराम के पदचिह्नों पर चलते हुए उनके सुपौत्रों ने बाबा संध्यानाथ गौशाला कितलाना में अपनी श्रद्धा अर्पित की। स्वर्गीय मंशाराम के सुपौत्र संजय सिंहमार और विनय सिंहमार ने पूर्वजों के आशीर्वाद से गांव कितलाना गौशाला की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए टैम्पू दान में दिया। अजीत सिंहमार के कुशल मार्गदर्शन में परिवार के बुजुर्गों और युवाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर नेक कार्य की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मीरसिंह, सतबीर सिंह, मांगेराम, जयप्रकाश व कुणाल सिंहमार आदि मौजूद रहे। ट्रस्ट ने संजय सिंहमार को विशेष रूप से सम्मानित किया। ट्रस्ट के सदस्यों ने कहा कि गौशाला में चारे और अन्य आवश्यक सामग्री के आवागमन के लिए वाहन की अत्यंत आवश्यकता थी। सिंहमार ने कहा कि दादाजी व पूर्वजों के संस्कारों का फल है कि हम गौमाता की सेवा में योगदान दे पाए हैं।

भिवानी। कितलाना गोशाला को टैम्पू भेंट करते। *फोटो : हरिभूमि*

शिविर में 171 युवाओं ने किया रक्तदान

भिवानी। रक्तदाता को प्रमाण पत्र भेंट करते रक्तवीर राजेश डूडेजा।

भिवानी। सहारा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा वंशिका फाउंडेशन के सहयोग से निजी रेस्तरां में 10वें विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया। शिविर में एम्स बाड़सा से आई डॉ. राहुल की टीम ने रक्त एकत्रित किया। सुबह से ही युवाओं में रक्तदान को लेकर भारी उत्साह देखा गया और देखते ही देखते यह आयोजन एक उत्सव में तब्दील हो गया। इस दौरान 171 युवाओं ने रक्तदान किया, जिन्हे बैज लगाकर व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश मिताथल और शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है, इसे केवल मनुष्य के शरीर में ही बनाया जा सकता है। हमारे द्वारा दिया गया एक यूनिट रक्त तीन जिंदगियों को बचा सकता है। वंशिका फाउंडेशन के अध्यक्ष रक्तवीर मनीष वर्मा ने अपनी टीम के साथ व्यवस्था संभाली।

डीसी के संज्ञान पर जागृति कॉलोनी में दो वर्ष से बनी पेयजल समस्या का समाधान

> जागृति कॉलोनीवासियों ने डीसी गुप्ता और जिला प्रशासन का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

टीआईटी मिल क्षेत्र में जागृति कॉलोनी में दो साल से बनी पेयजल समस्या पर डीसी साहिल गुप्ता ने कड़ा संज्ञान लिया। इस पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और समस्या का समाधान किया। क्षेत्र में दो साल बाद पेयजल पहुंचाने पर क्षेत्रवासियों ने डीसी श्री गुप्ता के साथ-साथ मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और जिला प्रशासन व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग का आभार जताया है। जागृति कालोनी में पेयजल समस्या बनने पर भाजपा मजदूर प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक भगवानदास कालिया के नेतृत्व में क्षेत्र के लोग सोमवार को समाधान शिविर में पहुंचे और डीसी से समस्या का समाधान करवाने की गुहार लगाई थी। डीसी ने मौके पर मौजूद जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से समस्या का हल करने के निर्देश दिए थे। डीसी के निर्देश मिलते ही विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और समस्या को तलाश किया। विभाग के कर्मियों ने पेयजल आपूर्ति की वॉल को दुरूस्त किया। पेयजल पहुंचने पर क्षेत्र से भगवान दास कालिया के अलावा सुनीता, मंजीता, संगीता, सुशीला, निशा, जोहरा, मंजू, शांति, रेनू, रेखा, अनारो देवी आदि ने मुख्यमंत्री सैनी, डीसी गुप्ता, विभाग के एसडीओ प्रविंद्र शर्मा व जेई ताज का आभार जताया।

भिवानी। जागृति कॉलोनी की पेयजल लाइन को दुरुस्त करता कर्मचारी।

दो वर्षों से दूषित पानी पीने को मजबूर क्षेत्रवासी, नहीं हो रहा समाधान

विधायक निवास के पीछे गली में पेयजल समस्या, महिलाओं ने किया प्रदर्शन

स्थानीय महिलाओं ने कहा कि समस्या को लेकर पहले रोड जाम भी किया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

जनसंघर्ष समिति के नेतृत्व में दूषित पेयजल समस्या को लेकर विधायक घनश्यामदास सर्राफ के निवास के पीछे बाग कोठी गली दो में महिलाओं ने विधायक सर्राफ व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अध्यक्षता गली की वरिष्ठ महिला रुकमनी ने की। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जनसंघर्ष समिति के संयोजक कामरेड ओमप्रकाश व सदस्य सुखदेव पालुवास ने कहा कि वे स्थानीय नागरिकों के बुलावे पर उनकी समस्या को लेकर यहां आए थे। पता लगा कि गली में पीने के शुद्ध पानी की आपूर्ति नहीं हो रही और कुछ पानी आता है तो काला व गंदा, जो किसी भी प्रयोग में नहीं आ सकता। उन्होंने बार-बार उनके पड़ोसी विधायक घनश्यामदास सर्राफ व विभाग के अधिकारियो को अवगत करवाया, लेकिन दो वर्षों से समाधान नहीं हो रहा है। इस अवसर पर गलीवासी सारिका कौशिक, मंजू गुप्ता, अक्षज कोशिक, तन्नू नाहडिया, रुकमनी, सुनिता, अनिता, सरोज नाहडिया, प्रिया शर्मा, सोम्या अग्रवाल, वृदां शर्मा और इशा गुप्ता शामिल रही।

भिवानी। दूषित पेयजल सप्लाई के विरोध में गुरुवार को नारेबाजी करते जनसंघर्ष समिति के सदस्य व बाग कोठी गली नंबर दो निवासी।

समस्या को लेकर रोड जाम भी किया था

क्षेत्रवासियों का कहना है कि वे जमीन का पानी पीने में प्रयोग करते है। उन्होंने कभी टेस्ट भी नहीं कराया कि वह पानी पीने लायक है या नहीं। स्थानीय महिलाओं ने कहा कि उन्होंने समस्या को लेकर रोड जाम भी किया था, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान विधायक पड़ोसी होने के नाते चौथी बार वोट किए थे, इसके बाद भी निराशा ही हाथ लगी। कामरेड ओमप्रकाश ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जेई से गलीवासियों की समस्या के समाधान के लिए फोन किया और शीघ्र समाधान करने की बात कही, जिस पर जेई ने तुरंत कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। जनसंघर्ष समिति नेताओं ने संबंधित विभाग व जिला प्रशासन से अपील की कि गलिवासियों की समस्या का शीघ्र समाधान किया जाए, अन्यथा सभी पीड़ित प्रभावित नागरिक उनके कार्यकालों के सामने प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे।

प्राथमिक अध्यापकों के प्रशिक्षण का आगाज

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के वीर शहीद गुलाब सिंह पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में निपुण हरियाणा मिशन के तहत प्राथमिक शिक्षकों के दो दिवसीय प्रशिक्षण का आगाज हुआ। प्रशिक्षण में लगभग 76 शिक्षकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई, जिनके लिए दो बैच बनाए। मास्टर ट्रेनर के रूप में कृष्ण कुमार, बबीता, सुशील कुमार, अंजू देवी, राज कुमारी ने अपनी अहम भूमिका अदा की और प्रशिक्षण खंड कोर्डिनेटर कृष्ण कुमार की निगरानी में हुआ।